



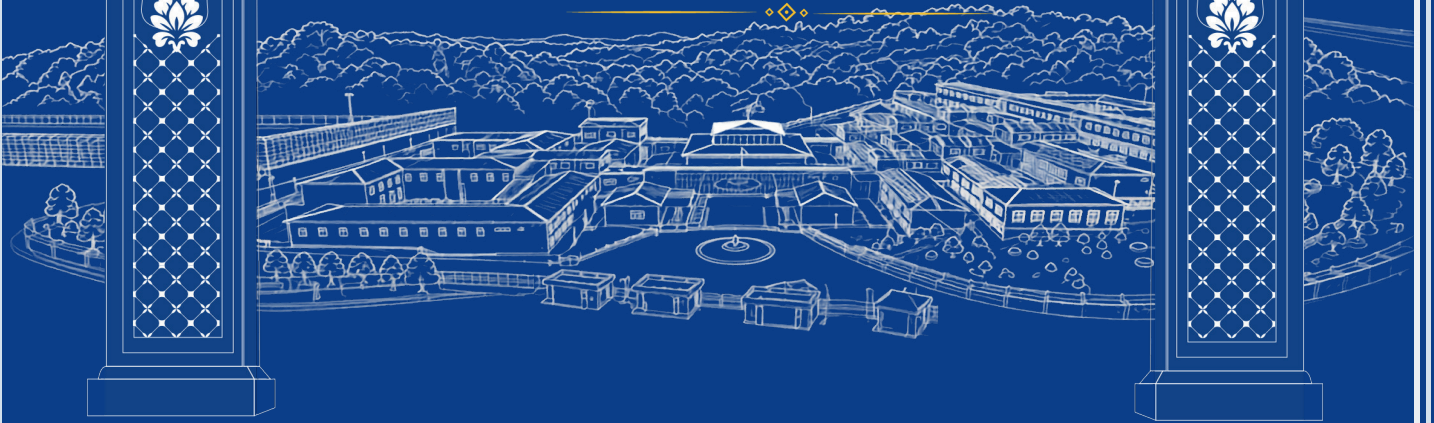
भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यया न सर्वधनं प्रधानम्



वर्ष
2016 - 2026
YEARS

7^{वां} TH
दीक्षांत समारोह
CONVOCATION
2026



26 सितंबर, 2026

प्रोत्साहन

यह ब्रोशर 2026 के स्नातक बैच को समर्पित है, जो 400 से अधिक विद्यार्थियों का एक समूह है जो वर्षों की शिक्षा, खोज, दृढ़ता और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में विकास के बाद इस मील के पत्थर पर पहुंचे हैं। उनकी यात्रा उन विचारों से आकार लेती है, चुनौतियों से पार पाती है, दोस्ती होती है, और अनुभवों से आकार लेती है जो आज वे जो हैं उसमें योगदान देते हैं। जैसे ही वे परिसर के परिचित परिवेश से बाहर निकलते हैं, वे अपने साथ न केवल वह ज्ञान लेकर जाते हैं जो उन्होंने प्राप्त किया है, बल्कि संभावनाओं की दुनिया में नेविगेट करने का आत्मविश्वास भी लेकर जाते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के लिए उनका स्नातक एक निर्णायक क्षण में आता है क्योंकि संस्थान अपनी यात्रा का एक दशक पूरा करता है। जैसे ही अल्मा मेटर अपने अगले दशक में प्रवेश करता है, दीक्षांत समारोह स्नातक वर्ग के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का भी प्रतीक है। आगे की राह हमेशा निश्चित नहीं हो सकती है, लेकिन जिज्ञासा, साहस, ईमानदारी और उद्देश्य की भावना उनका मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके ज्ञान और क्षमताओं में न केवल सफल करियर बनाने की क्षमता है, बल्कि सार्थक समाधान बनाने और बेहतर कल के लिए योगदान करने की भी क्षमता है।

जैसे ही वे इस नई यात्रा पर निकलते हैं, स्नातक विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू को अपने साथ ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है - न केवल उनकी डिग्री पर एक नाम के रूप में, बल्कि यात्रा के एक अभिन्न अंग के रूप में जिसने उन्हें आकार दिया। उनकी उपलब्धियों के साथ विनम्रता, उनकी महत्वाकांक्षा के साथ जिम्मेदारी और उनकी सफलता के साथ उद्देश्य होना चाहिए। वे सीखते रहें, खोजते रहें और बनाते रहें, और उनकी आगे की यात्रा न केवल इस बात से परिभाषित हो कि वे कहाँ जाते हैं, बल्कि इस बात से भी कि वे रास्ते में क्या अंतर लाते हैं।

"आत्मविश्वास से अपने सपनों की दिशा में आगे बढ़ें। आपने जिस जीवन की कल्पना की है उसे जीएं"
- हेनरी डेविड थोरो



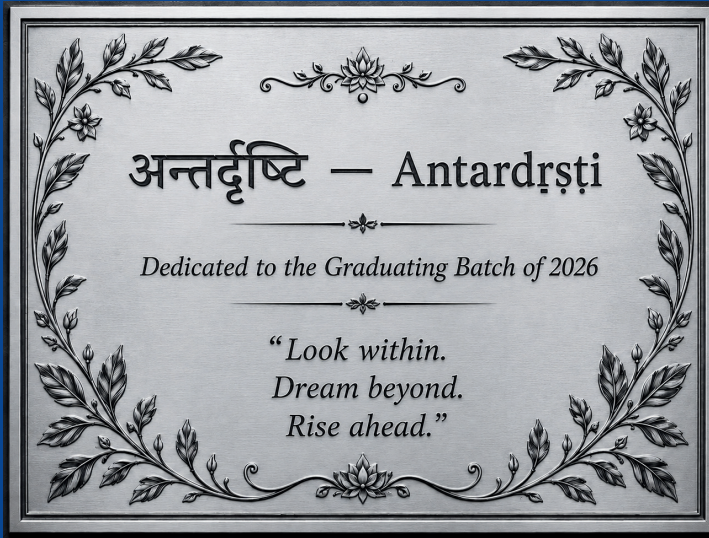
विद्यया धनं सर्वधनं प्रधानम्

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU



वर्ष
2016 - 2026
YEARS

अंतर्दृष्टि - "आंतरिक विशन"



स्थान: अन्नपूर्णा मेस के बगल में

अंतर्दृष्टि - "आंतरिक दृष्टि" प्रस्थान से पहले के क्षण को चिह्नित करती है, जब दुनिया के बाहर का सामना करने से पहले भीतर से स्पष्टता आनी चाहिए। जैसे ही आप इन द्वारों से आगे बढ़ते हैं, आने वाले वर्ष शायद ही आपको निश्चितता प्रदान करेंगे; आपको इसे स्वयं, आत्म-विश्वास के शांत क्षणों में खोजना होगा। इस विचार को अपने साथ रहने दो: जब रास्ता अस्पष्ट लगे तो अपने भीतर देखो, दूसरों ने आपके लिए जो सीमाएँ निर्धारित की हैं, उनसे परे जाओ, और आगे बढ़ो, भले ही चढ़ाई अनिश्चित लगे। यह एक विदाई कम और एक शांत साथी अधिक हो - आपको हमेशा याद दिलाता है कि सबसे स्पष्ट दृष्टि अंदर की ओर शुरू होती है।



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

मुख्य अतिथि का संदेश



डॉ. शंकर एम. वेणुगोपाल

वाइस प्रेसिडेंट,
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड

अपने विचारों को महत्व दें

स्नातक विद्यार्थी- आप आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू से डिग्री लेकर जा रहे हैं। लेकिन शायद आपके साथ ले जाने वाली सबसे मूल्यवान चीज़ कुछ अदृश्य है - आपके विचार। आज मैं आपसे जिस सवाल के बारे में सोचने के लिए कहना चाहता हूँ, वह यह है कि "आप अपने विचारों का क्या करेंगे?"

आपका विचार केवल तभी एक संभावना है जब वह पैदा होता है - यह एक नवजात शिशु की तरह नाजुक होता है। आप इसके साथ क्या करते हैं यह निर्धारित करता है कि यह एक नवाचार बन जाता है और प्रभाव डालता है।

आईआईएससी बेंगलूर में एक पीएचडी विद्यार्थी के रूप में अपने दिनों से लेकर महिंद्रा एंड महिंद्रा में नवाचार का नेतृत्व करने की मेरी वर्तमान भूमिका तक, मैं आविष्कारकों और नवप्रवर्तकों से घिरा रहने के लिए भाग्यशाली रहा हूँ। मैंने लोगों को अपने विचारों को पेटेंट योग्य आविष्कारों और प्रभावशाली नवाचारों में विकसित करने में मदद करने के लिए "इनोवेशन फ्लो" की खोज की। मैं कुछ अंतर्दृष्टि साझा करना चाहता हूँ जो आपको अपने विचारों को वास्तव में मायने बनाने में मदद करेगी।

विचारों को प्रभाव में बदलने के लिए छह सबक

- महर्षि पतंजलि - उद्देश्य खोजें - अनुसरण करने योग्य लक्ष्य चुनें।
- स्वामी विवेकानंद - गहराई से प्रतिबद्धता करें - एक विचार लें और खुद को इसके लिए समर्पित करें।
- अल्बर्ट आइंस्टीन - गहराई से प्रश्न - मान्यताओं को चुनौती दें और साहसिक प्रश्न पूछें।
- थॉमस एडिसन - लगातार प्रयोग - विचारों को प्रयोग में बदलें; निर्माण, परीक्षण और सीखें।
- विक्टर ह्यूगो - सीज़ द मोमेंट - पूछें "अब क्यों??" और यह पहचानें कि दुनिया कब तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी - मूल्य का सृजन करें - अपने विचार को नवाचार में बदलें जो सामाजिक समस्याओं का समाधान करें और राष्ट्र को लाभ पहुंचाएं।

अपने गुरुओं और उनके गुरुओं की ओर से, मैं आपको आशीर्वाद देता हूँ:

- आप एक योग्य उद्देश्य पाएं जो आपको प्रेरित रखे - इच्छा शक्ति
- आप लगातार सीखें और अपने ज्ञान का विस्तार करें - ज्ञान शक्ति
- आप रचनात्मक रूप से उन सभी बाधाओं को दूर करके अच्छी तरह से निष्पादित करें जो आपको अपने विचार के प्रभाव यात्रा पर मिल सकती हैं - क्रिया शक्ति

जब ये तीन ताकतें एक साथ आती हैं, तो आपका विचार दुनिया को बदल देगा। स्नातक - जाओ, हल करने लायक समस्या ढूंढो, आगे बढ़ाने लायक विचार ढूंढो और उसे महत्व दें।



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

शासी परिषद के अध्यक्ष का संदेश



आर. शरद कुमार सराफ

अध्यक्ष, शासी परिषद,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के 7वें दीक्षांत समारोह के इस अवसर पर, मैं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में उनका प्रवास यादगार रहा होगा। मैं सभी विद्यार्थियों को आगे के शानदार भविष्य की शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू, हालांकि नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में से एक है, ने कम समय में लंबी यात्रा की है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू दुनिया के सर्वश्रेष्ठ की तुलना में आधुनिक अत्याधुनिक परिसर प्रदान करता है। युवा और गतिशील संकाय विद्यार्थियों को सभी प्रकार की समग्र शिक्षा और सीखने की सुविधा प्रदान करता है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू उत्तरी भारत में उच्च तकनीकी शिक्षा के सबसे प्रमुख केंद्रों में से एक बन जाएगा।



विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

निदेशक प्रतिवेदन



प्रो. मनोज सिंह गौर

निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू

2026 के प्रिय स्नातक विद्यार्थियों, गौरवान्वित अभिवावकों, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी सदस्यों, शासी परिषद और अभिषद के सदस्यों और विशिष्ट अतिथियों, 2026 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के सातवें दीक्षांत समारोह के अवसर पर निदेशक का प्रतिवेदन प्रस्तुत करना मेरा सौभाग्य है।

वर्ष 2026 हमारे संस्थान की यात्रा में एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण अवसर है। जैसे ही हम 2026 के स्नातक बैच का उत्सव मनाते हैं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू अपने अस्तित्व और विकास का पहला दशक पूरा करता है। 2016 में ज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानव क्षमता को आगे बढ़ाने की दृष्टि से स्थापित, संस्थान ने पिछले दस वर्षों में अपने शैक्षणिक, अनुसंधान और संस्थागत आधार को लगातार सुदृढ़ किया है। इसलिए, यह अवसर न केवल हमारे स्नातक विद्यार्थियों को बधाई देने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू की अपनी आधारभूत दशक के दौरान प्रगति और उन आकांक्षाओं पर भी विचार करने का अवसर प्रदान करता है जो अगले चरण का मार्गदर्शन करेंगी।

हमारे पिछले दीक्षांत समारोह से एक वर्ष का समय उद्देश्यपूर्ण विकास का रहा है। शैक्षणिक कार्यक्रमों में विविधता आई है, अनुसंधान और परामर्श का विस्तार हुआ है, उद्योग और संस्थागत भागीदारी गहरी हुई है, विद्यार्थियों के अवसरों का विस्तार हुआ है, और बुनियादी ढांचे और समर्थन प्रणालियों का विकास जारी है। इसके साथ ही, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू शिक्षा, आउटरीच, कौशल विकास और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से क्षेत्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। एक साथ, ये घटनाक्रम एक संस्थान को उसके प्रारंभिक वर्षों से अधिक परिपक्व और तेजी से परस्पर जुड़ी शैक्षणिक और अनुसंधान प्रणालियों की ओर ले जाते हैं।



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

निदेशक प्रतिवेदन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू की संस्थागत पहचान में अनुसंधान और नवाचार केंद्रीय बने हुए हैं। वर्ष के दौरान, संस्थान का अनुसंधान पोर्टफोलियो लगभग ₹1,670 करोड़ रुपये के संचयी मूल्य के साथ 350 सक्रिय और पूर्ण परियोजनाओं तक बढ़ गया है। 40 परियोजनाओं का स्वीकृत मूल्य ₹1 करोड़ रुपये या उससे अधिक था, जिसका योग लगभग ₹1,587 करोड़ रुपये था। परामर्श गतिविधियों का भी विस्तार जारी रहा, जिसमें लगभग ₹44 करोड़ रुपये के 550 से अधिक असाइनमेंट शामिल थे। इन आंकड़ों के अलावा, पोर्टफोलियो जटिल तकनीकी, औद्योगिक और सामाजिक चुनौतियों के साथ हमारे संकाय की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। संस्थान में अनुसंधान उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा और तापीय प्रणालियों, संवहनीय प्रौद्योगिकियों, संचार, स्वायत्त प्रणालियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, पदार्थ, जैवचिकित्सीय अभियांत्रिकी और अन्य उभरते क्षेत्रों में फैला हुआ है।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने वर्ष के दौरान 46 अनुसंधान परियोजना कार्य, 96 से अधिक अनुसंधान प्रकाशन और 23 पेटेंट दाखिल किए, जिसमें उन्नत और योज्य विनिर्माण, ऊर्जा प्रणालियों और तापीय प्रौद्योगिकियों से संबंधित कार्य शामिल हैं। रासायनिक अभियांत्रिकी ने सतत ऊर्जा, उन्नत पदार्थ, प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रोकेमिकल प्रणालियों में अपने अनुसंधान पोर्टफोलियो का निर्माण जारी रखा, और भारत-नॉर्वे और सिंगापुर-भारत पहलों सहित सहयोगात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत किया। जैव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग ने जैवचिकित्सीय अभियांत्रिकी, जीनोमिक्स, रोग जीव विज्ञान, निदान, बायोमटेरियल्स, स्मार्ट टेक्स्टाइल्स, जीन डिलीवरी और ट्रांसलेशनल हेल्थकेयर में काम करके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के अंतःविषय अनुसंधान परिदृश्य को और मजबूत किया है। जैवचिकित्सीय अभियांत्रिकी के लिए आरोग्य उत्कृष्टता केंद्र अभियांत्रिकी, जैविक विज्ञान, नैदानिक और उद्योग से जुड़े अनुसंधान के बीच अंतःक्रिया के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है।

विद्युतीय अभियांत्रिकी और संबद्ध क्षेत्रों ने भी 5G और 6G संचार, स्वायत्त प्रणालियों, सेंसिंग, एम्बेडेड प्रौद्योगिकियों, क्वांटम-सुरक्षित संचार और साइबर सुरक्षा में अपने काम का विस्तार किया है।



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्ययाधनं सर्वधनं प्रधानम्

निदेशक प्रतिवेदन

अनुसंधान के विस्तार के साथ-साथ अकादमिक विकास भी आगे बढ़ा है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए, संस्थान ने चार नए कार्यक्रम शुरू किए हैं: यूनिफाइड अभियांत्रिकी में स्नातक; कृत्रिम मेधा के साथ संवहनीय ऊर्जा अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर; स्मार्ट विनिर्माण में विशेषज्ञता के साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर; और भू-तकनीकी अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ जानपद अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर। ये कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के शैक्षणिक पोर्टफोलियो को व्यापक बनाते हैं और संस्थान के अंतःविषय शिक्षा, उभरते हुए फ्रंटियर्स, और बढ़ते राष्ट्रीय और सामाजिक महत्व के क्षेत्रों पर जोर देते हैं। हमारा नया कार्यक्रम, यूनिफाइड अभियांत्रिकी विद्यार्थियों को पारंपरिक अनुशासनात्मक सीमाओं के पार अभियांत्रिकी समस्याओं से जुड़ने के लिए एक ढांचा प्रदान करता है। सतत ऊर्जा अभियांत्रिकी, स्मार्ट विनिर्माण और भू-तकनीकी अभियांत्रिकी में कार्यक्रम ऊर्जा परिवर्तन, बुद्धिमान उत्पादन और लचीले बुनियादी ढांचे में दबाव की जरूरतों को संबोधित करते हैं। इस तरह की पहलों के माध्यम से, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू अपने विद्यार्थियों को न केवल मौजूदा पेशेवर भूमिकाओं के लिए बल्कि तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के लिए भी तैयार करने की कोशिश कर रहा है।

संकाय आधार को मजबूत करने से शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तार में सहायता मिली है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में अब 152 नियमित शैक्षणिक कर्मचारी हैं, साथ ही वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण भर्ती के साथ अतिथि और सहायक शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य हैं। बढ़ता हुआ शैक्षणिक कर्मचारी सदस्य समुदाय तेजी से विविध विषयों में विशेषज्ञता लाता है और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक और अनुसंधान अवसरों को मजबूत करता है। शैक्षणिक कर्मचारी सदस्यों ने भी व्यावसायिक मान्यताएँ प्राप्त करना, अंतर्राष्ट्रीय कार्य करना और विद्वतापूर्ण और संपादकीय गतिविधियों में योगदान करना जारी रखा है।

हमारे विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में शैक्षणिक वातावरण की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्तियों में से एक बनी हुई हैं। 2025-26 के लिए प्लेसमेंट सीजन में बीटेक, एमटेक और एमएससी कार्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों में से 88 प्रतिशत से अधिक को प्लेसमेंट प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। भर्ती प्रक्रिया में 215 से अधिक संगठनों ने भाग लिया, जो संस्थान और पेशेवर दुनिया के बीच एक व्यापक इंटरफेस को दर्शाता है। सर्वाधिक पैकेज ₹80 लाख प्रति वर्ष, औसत पैकेज लगभग ₹14.8 लाख प्रति वर्ष और शीर्ष दसवें प्रतिशतक लगभग ₹30 लाख प्रति वर्ष था। अवसरों में सूचना प्रौद्योगिकी, कोर अभियांत्रिकी, सॉफ्टवेयर विकास, विश्लेषण, परामर्श, बैंकिंग, अनुसंधान और विकास और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।



विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

निदेशक प्रतिवेदन

भर्ती की व्यापकता पर्याप्त इंटरनशिप अवसरों द्वारा पूरक है। इक्यानवे विद्यार्थियों ने छह महीने की इंटरनशिप के अवसर प्राप्त किए, जिनमें से 83 को बाद में पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त हुए। विद्यार्थी ग्रीष्मकालीन संलग्नक योजना के माध्यम से, भारत और विदेशों में ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप करने वाले विद्यार्थियों को ₹75,000 तक की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे स्नातक बैच के लगभग 91 विद्यार्थियों को लाभ हुआ।

संस्थान विद्यार्थियों के विकास को केवल प्लेसमेंट की तुलना में व्यापक संदर्भ में देखता है। शैक्षणिक उपलब्धि को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, तकनीकी प्रतियोगिताओं, क्लबों और विद्यार्थी-नेतृत्व वाली पहलों में भागीदारी से पूरा किया गया है। विद्यार्थी समुदाय ने परिसर के बौद्धिक और सांस्कृतिक जीवन में सक्रिय रूप से योगदान देना जारी रखा है, जबकि संरचित लीगों और अंतर-संस्थागत प्रतियोगिताओं में भागीदारी के माध्यम से खेल गतिविधियों का विस्तार हुआ है। संस्थान ने अतिरिक्त कोर्ट और सहायक बुनियादी ढांचे सहित खेल सुविधाओं को मजबूत करना जारी रखा है, जिससे नियमित भागीदारी और प्रतिस्पर्धी खेल के लिए अधिक अवसर पैदा हुए हैं।

विद्यार्थी शासन और समर्थन प्रणालियाँ भी वर्ष के दौरान विकसित हुई हैं। विद्यार्थी संविधान में संशोधनों ने विद्यार्थी परिषद के ढांचे के भीतर तकनीकी सचिव, छात्रावास-वार सचिव और मेस-वार सचिव के पदों को पेश किया, जिससे विद्यार्थी जीवन को सीधे प्रभावित करने वाले क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व मजबूत हुआ। विद्यार्थी मामलों के कार्यालय ने छात्रावासों, खेल, क्लबों, मेस सेवाओं और सामान्य विद्यार्थी समर्थन से संबंधित गैर-शैक्षणिक विद्यार्थी चिंताओं को दूर करने के लिए एक सिंगल-विंडो तंत्र के रूप में शेयर-स्टूडेंट्स हेल्प, असिस्टेंस, रेजोल्यूशन एंड एंगेजमेंट-की भी शुरुआत की। इस तरह की पहल का उद्देश्य परिसर को अधिक उत्तरदायी, सुलभ और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है।

परिसर जीवन की गुणवत्ता उन प्रणालियों और सुविधाओं से निकटता से जुड़ी हुई है जो विद्यार्थियों के दैनिक जीवन का समर्थन करती हैं। वर्ष के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू ने भोजन बुकिंग और अग्रिम आदेश की सुविधा के लिए, मांग प्रबंधन में सुधार के लिए और भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए मेस मील बुकिंग ऐप पेश किया।



विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

निदेशक प्रतिवेदन

सभी पांच मेस को एफएसएसआई से ईट राइट कैंपस प्रमाणन प्राप्त हुआ, जो मार्च 2028 तक वैध है। मेस में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रणाली और डिजिटल डिस्प्ले शुरू किए गए थे, और भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और परिचालन मानकों पर निरंतर ध्यान देने को प्रोत्साहित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ मेस पहल शुरू की गई थी। लगातार निगरानी, बैठक कक्षों के विकास, भोजनालय सुविधाओं, इनडोर गेमिंग सुविधाओं और स्वागत या स्वागत व्यवस्था के माध्यम से छात्रावास सुविधाओं को और मजबूत किया गया।

संस्थान ने अपने शैक्षणिक विकास के अनुरूप अपने भौतिक और तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना जारी रखा है। उन्नत उपकरण, प्रोटोटाइप और विनिर्माण सुविधाओं में निवेश ने हमारी अनुसंधान और निर्माण क्षमताओं को बढ़ाया है। आईसीपी-एमएस और उन्नत निर्माण और प्रोटोटाइप प्रणालियों सहित प्रमुख उपकरणों के अधिग्रहण ने केंद्रीय उपकरण सुविधा और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को मजबूत किया है। हमने बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल, बेहतर संचार अवसंरचना और प्रौद्योगिकी-सक्षम निगरानी के माध्यम से परिसर-व्यापी डिजिटल बुनियादी ढांचे और सुरक्षा प्रणालियों को भी बढ़ाया है। इन निवेशों का उद्देश्य अकादमिक समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना है।

सामुदायिक सहभागिता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के संस्थागत मिशन का एक महत्वपूर्ण आयाम बनी हुई है। वर्ष के दौरान, आउटरीच गतिविधियों ने 65 से अधिक स्कूलों और 5,400 से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंच बनाई, जिसमें 3,000 से अधिक लड़कियां शामिल थीं, प्रयोगशाला यात्राओं, इंटरैक्टिव सत्रों, करियर मार्गदर्शन और मार्गदर्शन के माध्यम से। उन्नत भारत अभियान के लिए क्षेत्रीय समन्वय संस्थान के रूप में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू ने अपने क्षेत्रीय नेटवर्क का विस्तार करना जारी रखा है, जिसमें अब जम्मू प्रांत और लद्दाख में 35 उच्च शिक्षा संस्थान और 123 गोद लिए गए गांव शामिल हैं। पहल में ग्रामीण आजीविका, स्वयं सहायता समूहों, सौर ड्रैयिंग प्रौद्योगिकियों, बसोहली पेंटिंग, बागवानी गतिविधियों और सामुदायिक बुनियादी ढांचे के लिए समर्थन शामिल है। ऐसी ही एक पहल ने जगती गांव में सामुदायिक-उन्मुख हस्तक्षेपों के माध्यम से लगभग 2,500 निवासियों को लाभान्वित करते हुए 500 से अधिक फलों के पौधे वितरित किए। आवश्यक कौशल केंद्र ने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से संस्थान की पहुंच को और बढ़ाया है। वर्ष के दौरान, लगभग 700 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए 18 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें शिक्षकगण, पेशेवरों, प्रशिक्षुओं और अन्य शिक्षार्थियों को सिखाया गया। कार्यक्रमों में ड्रोन और एंटी-ड्रोन प्रौद्योगिकियां, साइबर सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण और एचवीएस संचालन और रखरखाव जैसे क्षेत्र शामिल थे।



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

निदेशक प्रतिवेदन

संस्थान का बढ़ता हुआ पूर्व विद्यार्थी समुदाय भी इसके संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र का एक तेजी से महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। भारत और विदेशों में 1,800 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों के साथ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू पूर्व विद्यार्थियों की भागीदारी, मार्गदर्शन, व्यावसायिक नेटवर्किंग और संस्थागत बातचीत के लिए तंत्र को मजबूत कर रहा है। बेंगलुरु में पूर्व विद्यार्थी मिलन, एक समर्पित पूर्व विद्यार्थी जुड़ाव मंच का कार्यान्वयन, और एक औपचारिक पूर्व विद्यार्थी संघ की दिशा में प्रगति, संस्थान और उसके पूर्व विद्यार्थियों के बीच एक स्थायी संबंध बनाने की दिशा में कदम हैं। उद्योग, सरकार और रणनीतिक संस्थानों के साथ इंटरफेस समानांतर में विस्तारित हुआ है। कॉर्पोरेट संबंध और समझौता ज्ञापन कार्यालय ने संभावित भागीदारों की पहचान करने, उनकी आवश्यकताओं को समझने और उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के भीतर प्रासंगिक क्षमताओं से जोड़ने के लिए एक अधिक संरचित दृष्टिकोण शुरू किया है। प्रकल्प संस्थागत व्यवसाय विकास पहल प्रायोजित अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, सीएसआर, इंटरनीशिप, प्लेसमेंट और संस्थागत विकास में निरंतर अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखती है। 2025-26 के दौरान, संस्थान ने 25 से अधिक कॉर्पोरेट, सरकारी, शैक्षणिक और रणनीतिक हितधारकों के साथ जुड़ाव को मजबूत किया, जिसमें डीआरडीओ, रक्षा उच्च ऊंचाई अनुसंधान संस्थान, अडानी सीमेंट, भारतीय सेना की उत्तरी कमान, तोपखाने का स्कूल, शिक्षा मंत्रालय, बीएसएफ-जम्मू फ्रंटियर और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), जम्मू शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीयकरण ने भी इसी तरह गति पकड़ना जारी रखा है। अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय ने मौजूदा साझेदारी को मजबूत करने, विद्यार्थी और संकाय गतिशीलता को सक्रिय करने और सहयोगात्मक शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधि के लिए अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी अब एशिया, यूरोप और उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के संस्थानों तक फैली हुई है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, नीदरलैंड, नॉर्वे और ब्राजील के शैक्षणिक भागीदार शामिल हैं। वर्ष के दौरान चर्चाओं और पहलों में संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम, विद्यार्थी विनिमय, अनुसंधान सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियाँ और संकाय जुड़ाव शामिल हैं।



विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

निदेशक प्रतिवेदन

जैसे ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू अपनी पहली दशक की शुरुआत करता है, इसकी प्रगति कार्यक्रमों, परियोजनाओं और साझेदारियों की संख्या के साथ-साथ उनके आसपास विकसित पारिस्थितिकी तंत्र की गहराई और विविधता में स्पष्ट है। एक दशक पहले, संस्थान अपनी संस्थागत यात्रा की शुरुआत में था। आज, इसके पास एक बढ़ता हुआ शैक्षणिक समुदाय, एक पर्याप्त अनुसंधान और परामर्श पोर्टफोलियो, बढ़ती राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी, एक तेजी से विविध विद्यार्थी निकाय और एक परिसर पारिस्थितिकी तंत्र है जो शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, खेल, संस्कृति और सामुदायिक जुड़ाव का समर्थन करता है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वाकांक्षी हैं कि विकास गुणवत्ता, सुसंगतता और प्रभाव में सुधार करना जारी रखें। जैसा कि हम दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, इसलिए हमारा ध्यान अकादमिक उत्कृष्टता को मजबूत करने, अंतःविषय और उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान को सुदृढ़ करने, अनुसंधान को प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों में तेजी से बदलने और उद्योग, सरकार और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी को गहरा करने पर होगा। इसी तरह, हम क्षेत्रीय जुड़ाव और जम्मू, कश्मीर, लद्दाख और देश के लिए प्रासंगिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए संस्थान के ज्ञान और तकनीकी क्षमताओं का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

2026 के स्नातक वर्ग को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू के इतिहास में एक विशेष रूप से यादगार वर्ष में स्नातक हो रहे हैं, जिस वर्ष संस्थान ने अपना पहला दशक पूरा किया है। आप एक युवा और विकसित संस्था का हिस्सा रहे हैं, और आपकी अपनी यात्राओं ने इसके विकास में योगदान दिया है। जैसे-जैसे आप अपने पेशेवर जीवन और व्यक्तिगत जीवन में आगे बढ़ेंगे, मैं आपको जिज्ञासा, अखंडता, दृढ़ता और उत्तरदायित्व के मूल्यों को अपने साथ ले जाने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। सीखना जारी रखें, नए विचारों के लिए खुले रहें, सीमाओं के पार काम करें, और दूसरों के लिए मूल्य बनाने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करें। आपकी यात्रा आपको जहां भी ले जाए, उद्योग, अनुसंधान, उद्यमिता, लोक सेवा या उच्च शिक्षा में, मुझे आशा है कि आप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू से जुड़े रहेंगे और इसकी निरंतर कहानी में योगदान देंगे।



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

निदेशक प्रतिवेदन

मैं हमारे शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों, विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों, शासी परिषद और अभिषद के सदस्यों, वित्तपोषण एजेंसियों, सरकारी संगठनों, उद्योग भागीदारों, शैक्षणिक सहयोगियों और उन सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता हूँ जिन्होंने वर्ष के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू का समर्थन किया है। इस प्रतिवेदन में परिलक्षित उपलब्धियाँ सामूहिक प्रयास और संस्थान के विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। जैसे ही हम एक दशक पूरा करते हैं और अगले दशक की शुरुआत करते हैं, सामूहिक प्रयास की वह भावना हमारी आकांक्षाओं के केंद्र में बनी रहेगी। मैं पूरे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू समुदाय को सातवें दीक्षांत समारोह और संस्थान के पहले दशक के पूरा होने पर बधाई देता हूँ। आइए हम आत्मविश्वास और विनम्रता के साथ आगे बढ़ें, ज्ञान को आगे बढ़ाने, सक्षम और जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करने, क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा करने और एक ऐसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध रहें, जिसका योगदान स्थायी और सार्थक हो।

मनोज सिंह गौर

निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू

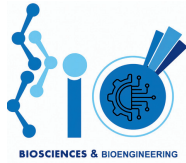


भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यार्थनं सर्वधनं प्रधानम्

2026 का दीक्षांत बैच विद्या वाचस्पति (पी.एच. डी.)

**BIOSCIENCES &
BIOENGINEERING**



KHUSHBOO WARJURKAR

**CHEMICAL
ENGINEERING**



RAVI RAUSHAN

SAIMATUN NISA

ANNA ANANDITA

SWATI GANGWAR

MOHD AURIF SHERGUJRI

UPASANA GUPTA

AKASH LATA

BHARATH P

MONIKA KUMARI

PRANEET MISHRA

CHEMISTRY



NAMRATA KOTWAL

PARU JAMWAL

HIMANI VAID

MANISHA SHARMA

**CIVIL
ENGINEERING**



HARSH VARDHAN SINGH

I BHARGAV

PRONNOY BHAT

HARISH KUMAR SAINI

ANAMIKA YADAV

SHREYA MAHESHWARI

MANALI RATHE

RISHI GUPTA

SRISTI GUPTA

WASEEM RAJA

2026 का दीक्षांत बैच विद्या वाचस्पति (पी.एच. डी.)

COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING



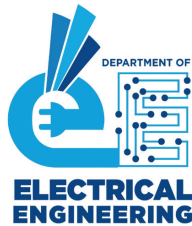
AMBREEN BASHIR
AJEET KUMAR VERMA
ABHILASH KUMAR DAS
DILDAR ALI

HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES



ADITI MAGOTRA
SALONI WALIA
SAYARI MISRA
RITESH BANSAL

ELECTRICAL ENGINEERING



SHALINI TRIPATHI
BALKRISHNA CHOUBEY
YASIN KHAN
BHARTI KATIYAR
HIMANSHU SINGH
PAWAN KUMAR
JASDEEP KOUR
ARYAN KANNAUJIYA

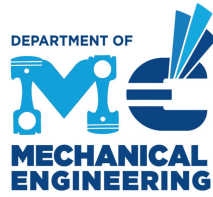
MATERIALS AND METALLURGICAL ENGINEERING



SNIGDHA PRIYADARSHINI
NISHANT CHANDEL

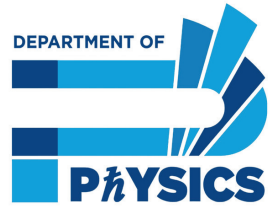
2026 का दीक्षांत बैच विद्या वाचस्पति (पी.एच. डी.)

**MECHANICAL
ENGINEERING**



ARCHIT KUMAR VIAS
KHOGESH KUMAR RATHORE
DEEPAK KUMAR
VINOD KUMAR JAT
MOHIT RAJPUT
RISHISH MISHRA
AMRITBIR SINGH
JAIRAM RAIGAR
AYUSH KUMAR RAO
RAMPALLY SRIRAMA CHANDRA
MURTHY

PHYSICS



ALAKESH UPADHYAYA
FARIDA BATOOL
PRAGYA JOSHI
SACHIN SHARMA
SAKAL SINGLA
PRAKASH KUMAR PATHAK
PRIYA KAITH
NEETU

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक)

CHEMICAL ENGINEERING

With specialization in Sustainable Energy Engineering



AMAN BHARTI
ALEENA MANOJ
MAYURA KRISHNA R
NIKITA RAJARWAL
SHIVANGI SHARMA

CIVIL ENGINEERING

With specialization in Structural Engineering



ADARSH KUMAR
ADITYA YADAV
ASHISH PANDEY
HRICHA PRAJAPATI
ILHAN ASLAM
MADHURAJ CHAUDHARI
MOHAMMAD SHAMSUL HAQ
THAKUR NALINI SWATANTRA

NASIR UL ISLAM
NEERAJ
RAJAN KASHYAP
SHEETAL SUMAN
TANZEEL FIRDOUS GANAI
UBAID ALI MIR
UBAID MAQBOOL
UTKARSH SINGH
YUVRAJ SINGH KUSHWAH
ASHUTOSH SINGH SLATHIA
DEEXIT SHARMA
NEEYATI GUPTA
DORJEE WANGCHUK

CIVIL ENGINEERING

With specialization in Tunnel Engineering



ABDUL MUQEET
AKSHAR NISHANT
ASHISH GOSWAMI
MOHAMMAD ARSALAN AIJAZ
MUSHARAFF IQBAL SAQIB

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक)

NILESH KUMAR VERMA

NIRANJAN PRAJAPATI

OMPRAKASH

RISHABH SHARMA

SANDHYA BHARTI

SHAKEEL AHMAD RESHI

SUMIT KUMAR

VIKRANT DALOTRA

HARSH MISHRA

SIDDHANT RANA

HARSH GUPTA

HRITIK SOM

K RAHUL SHASHANK

KAPISH PANDOH

KISHAN KUSHWAHA

NEETISH BAMOTRA

PUSHPENDER SINGH

RAVINDRA KUMAR AGRIYA

RIGVED SINGH

RIYA SHUKLA

ROHIT TIWARI

SAPTRISHI MISHRA

SAURABH KAPILDEV SINGH

TUSHAR

TUSHAR KUMAR

UMA SHANKAR SHARMA

UTTAMBHAI BHARATBHAI PANSURIYA

YASH AGARWAL

YASH DESHPANDE

AAYUSHMAN JADON

NANAWARE RITUJA RAMAKANT

PRANAV NAMDEO KORHALE

**COMPUTER
SCIENCE
ENGINEERING**

With specialization in Computer Science and Engineering



ABHISHEK GOUR

ADARSH D

ADITI GAUTAM

AKHILESH TIWARI

ANSHU KUMARI

CHANDAN KUMAR

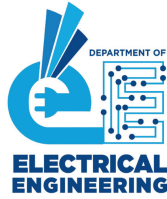
CHETAN SEJGAYA

DEEPAK GUPTA

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक)

ELECTRICAL ENGINEERING

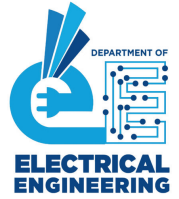
With specialization in Communications and Signal Processing



ANAND KUMAR YADAV
ANKIT KUMAR
ASHUTOSH VERMA
AYUSHI SHUKLA
DHARISHTI THAPPA
GAURAV RAI
GODSE NUPUR VISHWAS
HRITVIK CHAUHAN
PARESH KALSOTRA
SANDEEP KUMAR
SAUMYA RAYPA
SNEHA CHOUDHURY
SUHANA DAS
SURYAWANSHI PEEYOOSH MAROTI
UTKARSH CHANDRA
SHAHEEN
UMAIR BIN FAROOQ

ELECTRICAL ENGINEERING

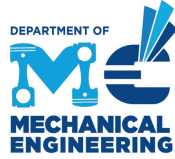
With specialization in VLSI Design



ABHAY KUMAR
ANSHUL KUNDU
ASGAR ALI
ASHRAF ANSARI
BHAGWAN DAS AHIRWAR
DEEPAK KUMAR DUBEY
DRON SANKHALA
NIKHIL SINGH GURJAR
RAHUL RATHORE
SHRAMAN ROY
SHUBHAM SINGH
SUNEEL KUMAR
SUSMITA GHANTA
TARANG SRIVAS
TEEDA HEMANTH KUMAR
ANKIT VERMA
SHRADDHA ATHALYE
MOHAMMAD SIKANDER SHEIKH
URJAL SHRIVASTAVA

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक)

MECHANICAL ENGINEERING



With specialization in Thermal and Energy Systems Engineering

ASHISH RANJAN

BINOD KUMAR

JANHAVI DEVENDRA BOPCHE

KARTIK KUMAR PRAJAPATI

PRIYANSHU

RANGESHWAR PRASAD SINGH

RATHIKRINDI JAYA PRAKASH NARAYANA

SHIVANSH SINGH

SHUBHAM SHARMA

SOURAV KHAJURIA

ANUBHAV SINGH

MIR SHARIK RASHID

THORAT ANJALI MESHAM

COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING

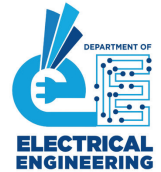


With specialization in Computer Science and Engineering
(Three Years)

ABHAY SHARMA

GONUGUNTLA ANIL

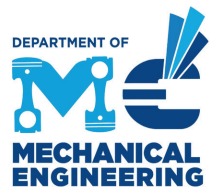
ELECTRICAL ENGINEERING



With specialization in Communications and Signal Processing

SAHIL GAUTAM

MECHANICAL ENGINEERING



With specialization in Thermal and Energy Systems Engineering

ANJANI SHARAN

2026 का दीक्षांत बैच विज्ञान स्नातकोत्तर (एम. एस. सी.)

CHEMISTRY



AASTHA

ASHISH JAGDISHCHANDRA PARMAR

BALBIR KUMAR

MIRZADA MOHD QOUNANE

MUSHTAQ AHMAD SHAH

ROYAL BHADAURIA

SHEIKH AABID NISAR

UJJWAL

ROHAN BHARDWAJ

SHAIKH MD ANWAR NASEEM

HUKMULLAH

PHYSICS



AFREEN MUSHTAQ

AKSHITA

AMIT CHAUDHARY

ANKITA JANA

ANURAG SRIVASTAVA

DEEPAK KUMAR

IRAM SABHA

KALPNA

MUJTABA MAQBOOL

SACHIN RAVJI MAHESHWARI

SOURABH

PANKAJ MEGHWAL

NAVEEN KUMAR

Now we march into a world of infinite possibilities.

OF 2026



We came, we strived, we triumphed

CLASS



2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक)

**CIVIL
ENGINEERING**



AADITYA PRAKASH YADAV

ABHAY SINGH

ABHISHEK KUMAR

ANKIT MEENA

ARYAN DIXENA

DEEPAK KUMAR RAI

EKAGRA AGRAWAL

FAIZAN RASHID

GURPARKASH SINGH

KAPIL JEENAGAR

KASHVI SOOD

KHUSHBOO

KISLAY KUMAR

KUNAL SONI

LOKESH KUMAR

LUCKY

MANISH KUMAR

NAVEEN MADHUKAR

POLISSETTY CHINMAY

PRATEEK CHAUDHARY

PRIYANKA

RAGHAV JAIMAN

RISHABH SHARMA

SACHIN KUMAR

SATYAM RAJ

SAURABH MEENA

SHAURYA GUPTA

SHIVAM JANGID

TUSHAR GOYAL

VIBHU GUPTA

VISHAL

GADI RAGHURAM

RAVIKANT KUMAR

**CHEMICAL
ENGINEERING**



AADITYA SINHA

ADITI PANDEY

AKASH UIKEY

AMBER KUMAR

ANIL KUMAR

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक)

ANKITA SONI

ARYAN KATIYAR

ARYANT MISHRA

AYUSH RAJ

DEV BANITIA

DEVANSH SAROJA

GAGANDEEP SINGH

GOURANG PARIHAR

HARDIK CHHABRA

JITYA VARSHNEY

KARAN SHUKLA

KHUSHI

KM MANSI ADITYA

MANAV SHARMA

NARLA RAVI TEJA REDDY

NITESH

PARTH RAVI MANJARE

PRASHANT KUMAR

PREETI CHAUHAN

RAIHAN TAUSIF

RAJESH KUMAR BAIRWA

RIDDHIMA PANDEY

ROHAN OHRI

SAHIL BANSAL

SAKSHI KUMAWAT

SAMRADH SINGH YADAV

SHWET SONKAR

SUNAINA SINGH MARKO

UTKARSH SINGH

VEDIKA AGGARWAL

WILLIAM BASUMATARY

**COMPUTER
SCIENCE &
ENGINEERING**



ADITI ANAND

AGRIM KAUSHIK

AKASH DAS

AMAN KUMAR

ARAV SAWANT

ARYAN RAJ

ARYAN SHEEL

ASHUTOSH VISHWAKARMA

ASMI SRIVASTAVA

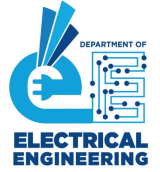
AYMAN SINGH

AYUSH SINHA

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक)

BHADHAVATH PRATHIMA
BORISAGAR MEET ASHVINKUMAR
CHAITANYA TANDON
DEVESH SHARMA
HARSH NEEMA
HITESH CHOUDHARY
KHUSHI VERMA
KRITIKA PATIDAR
MOHD SARIM SHAMIM
MUTHRES GURJAR
NAVNEET CHOUDHARY
PATEL VRAJ MAHESHBHAI
PATIL SATYAJEET SANJAY
PRABHKIRAT KAUR
PURVANSI NIJHAWAN
RISHABH JAIN
RISHABH RAJ
SANGEET
SATVIC DHAWAN
SHIVANI CONSUL
SHUBHAM GUPTA
SHUBHAM KUMAR MAURYA
SOHIT DHAWAN
VIKAS PRAJAPATI
VISHAL KUMAR
VIVEK ZINGARIYA SAWALKAR

**ELECTRICAL
ENGINEERING**



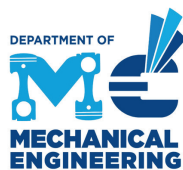
AASHISH KUMAR SINGH
ABHI KUMAR
ABHISHEK MISHRA
AKANKSHA KUMARI
AKASH VERMA
AKSHIT SANKHWAR
ANIVARNAN SHARMA
ANKIT
ANSH BHARDWAJ
BHAVUK GOYAL
CHETAN SINGH MEENA
DEEPTHI T
DHURUV POONIA
HARSHAD KEWALSING SHINGDE
HARSHDEEP SINGH
IQNOOR SINGH
JEJARIYA AJAYBHAI
KANISHKA
KASHVI BANSAL
MANAN KUMAR SINGH
MANAS GUPTA

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक)

NAGESHWAR KUMAR
NAIK RAJNANDINI MILIND
NITISHA MEENA
OM CHAUDHARY
PARUL MEENA
PRANJAL VERMA
PRINCE DUGGAL
RYAN KHULLAR
SATVIK JAIN
SAURABH KUMAR RAO
SAURAV KUMAR
SRIJA SHUKLA
SUPRIYO BHATTACHARYA
UMANG KATARIA
VEDANT JHUN JHUN WALA
VIBHAV BHAGAT
VIVEK KUSHWAHA
YASH PANDEY

ABHAY KRISHAN RAGHAV
ABHAY SINGH
ADITYA KUMAR
AJEET KUMAR
ANANDKAR SANIKA ARUN
ASHWINI KHODRE
CHETAN SINGH ADHIKARI
DHANAY AGARWAL
GURDEEP
HANUMAN RAM
HARDIK
HARSHIL GAUTAM
HARSHIT BERI
HARSHIT MANKTALA
HITESH KUMAR MEENA
JIGYASU
KANIKA GUPTA
KHUSHI KUMARI
MAYANK RAJPOOT
NAVYA TALWAR
NITIN KUMAR
PANKAJ MEENA
RACHIT GOEL
RITU AHIRWAR
ROHIT KUMAR GUPTA

**MECHANICAL
ENGINEERING**



AASTHA KAIN

2026 का दीक्षांत बैच प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक)

SAHIL

SAKSHI SRIVASTAVA

SATYANJAY SHALI

SAURABH KUMAR PATHAK

SHIB NARAYAN ROY

SHIKHAR JHALA

SOURABH

SUMIT VERMA

SURAJ GAUR

VAGHASIYA NIRAV KAMLESHBHAI

VISHAL KUMAR

YASASVI MUKKAMALA

AGAM THAPPA

ASHISH CHHIPA

CHIRMI VARAM

DHARODIA VIVEK JIGNESH

IAN BHASKAR URADE

KADURU JAYYANTH

KARTIK DUA

KASHISH

MOHAMMAD ZAID

MOHIT POONIYA

RAHUL KUMAR

RATHOD GNANESHWAR

RISHIKA SHRESTH

SANJHALI SRIVASTAVA

SOHAM DAS

SUBHAM MANDAL

SUTAR PRANAV PRAKASH

TISHA KALIA

VISHWAMOHAN SINGH NEGI

VIVEK KUMAR SHANDILYA

RATHLAVATH AKASH NAIK

**MATERIALS AND
METALLURGICAL
ENGINEERING**



ABHINAV ANAND

ADITYA SALVAM

AMRIT MEENA

ANANYA GARG

ARNAV VERMA

पदक विजेता

प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक)



प्रौद्योगिकी स्नातक प्रोग्राम के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक **विवेक कुमार शांडिल्य** को मिला, जो पदार्थ एवं धातुकर्म अभियांत्रिकी के प्रौद्योगिकी स्नातक विद्यार्थी हैं।



प्रौद्योगिकी स्नातक प्रोग्राम के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों में सबसे उत्कृष्ट सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए निदेशक स्वर्ण पदक **आयुष राज** को मिला, जो रासायनिक अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी स्नातक विद्यार्थी हैं।



रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक **आयुष राज** को मिला।



सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक **खुशबू** को मिला।



संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक **चैतन्य टंडन** को मिला।



विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक **नागेश्वर कुमार** को मिला।



यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक **हर्षित बेरी** को मिला।



पदक विजेता

प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम. टेक)



प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान स्वर्ण पदक, सिविल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर के विद्यार्थी **मोहम्मद शमसुल हक** को मिला।



रासायनिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक, **शिवांगी शर्मा** को मिला।



संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक, **अंशु कुमारी** को मिला।



विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक, **संदीप कुमार** को मिला।



यांत्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान रजत पदक, **बिनोद कुमार** को मिला।



पदक विजेता

विज्ञान स्नातकोत्तर (एम. एस.सी.)



विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए संस्थान स्वर्ण पदक, रसायन विज्ञान में विज्ञान स्नातकोत्तर के विद्यार्थी **शेख आबिद निसार** को दिया गया।



भौतिक विज्ञान में विज्ञान स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में सबसे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए **अक्षिता** को संस्थान रजत पदक मिला।



आदर्श पत्र



भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU

विद्यायनं सर्वधनं प्रधानम्



वर्ष
2016 - 2026
YEARS





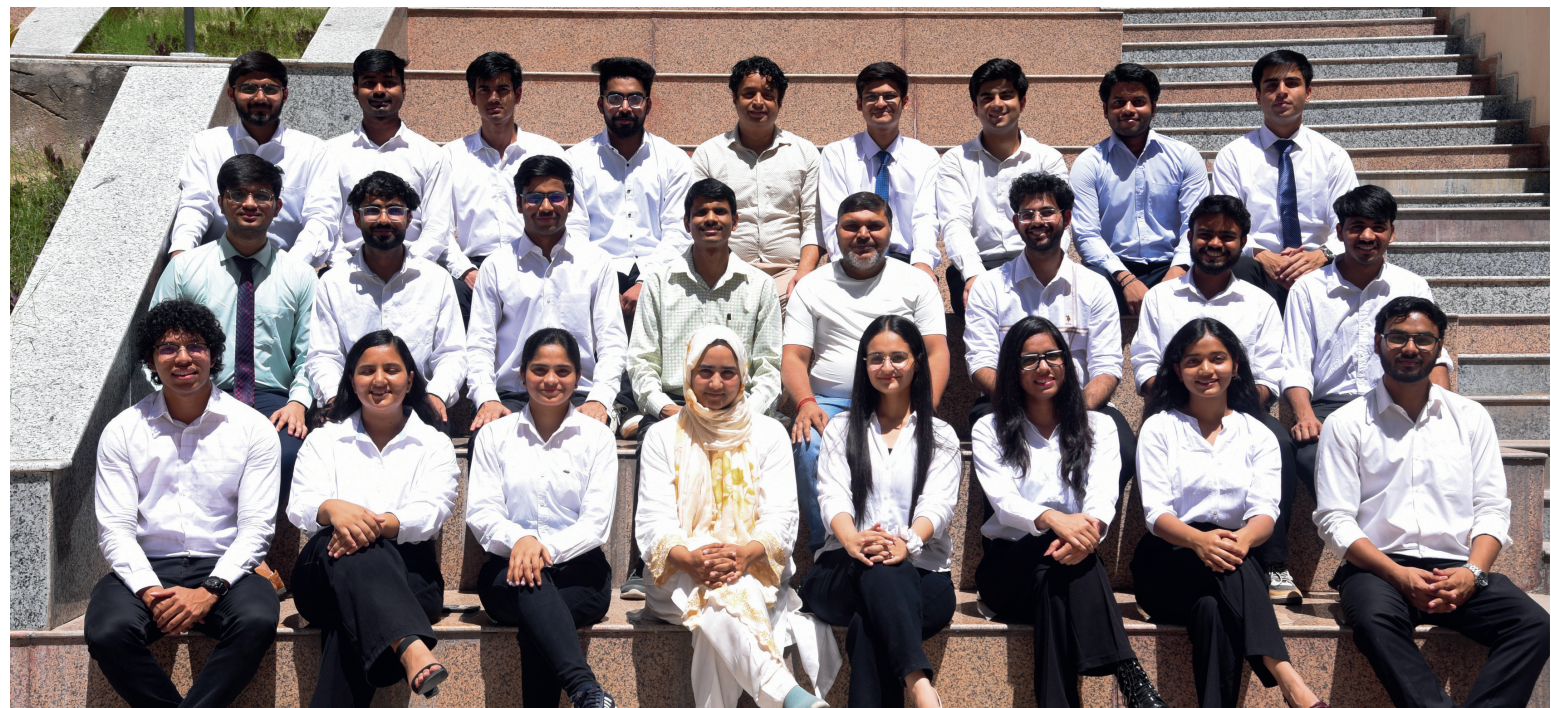
















भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU



वर्ष
2016 - 2026
YEARS

थीम की पृष्ठभूमि



7^{वाँ} दीक्षांत समारोह 2026



विरासत

पारंपरिक मेहराब जम्मू की आर्किटेक्चरल और सांस्कृतिक पहचान को दिखाता है।

परंपरा

फूलों के बारीक पैटर्न जम्मू की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कारीगरी को उजागर करते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू

परिसर का छायाचित्र डिज़ाइन को संस्थान की पहचान, यात्रा और भविष्य के विज़न से जोड़ता है।

ज्ञान

एक-दूसरे से जुड़े एलिमेंट अभिगम, शोध, विचार और अन्वेषण को दिखाते हैं।

आकांक्षा

उगता सूरज नई शुरुआत, महत्वाकांक्षा और असंख्य संभावनाओं का प्रतीक है।

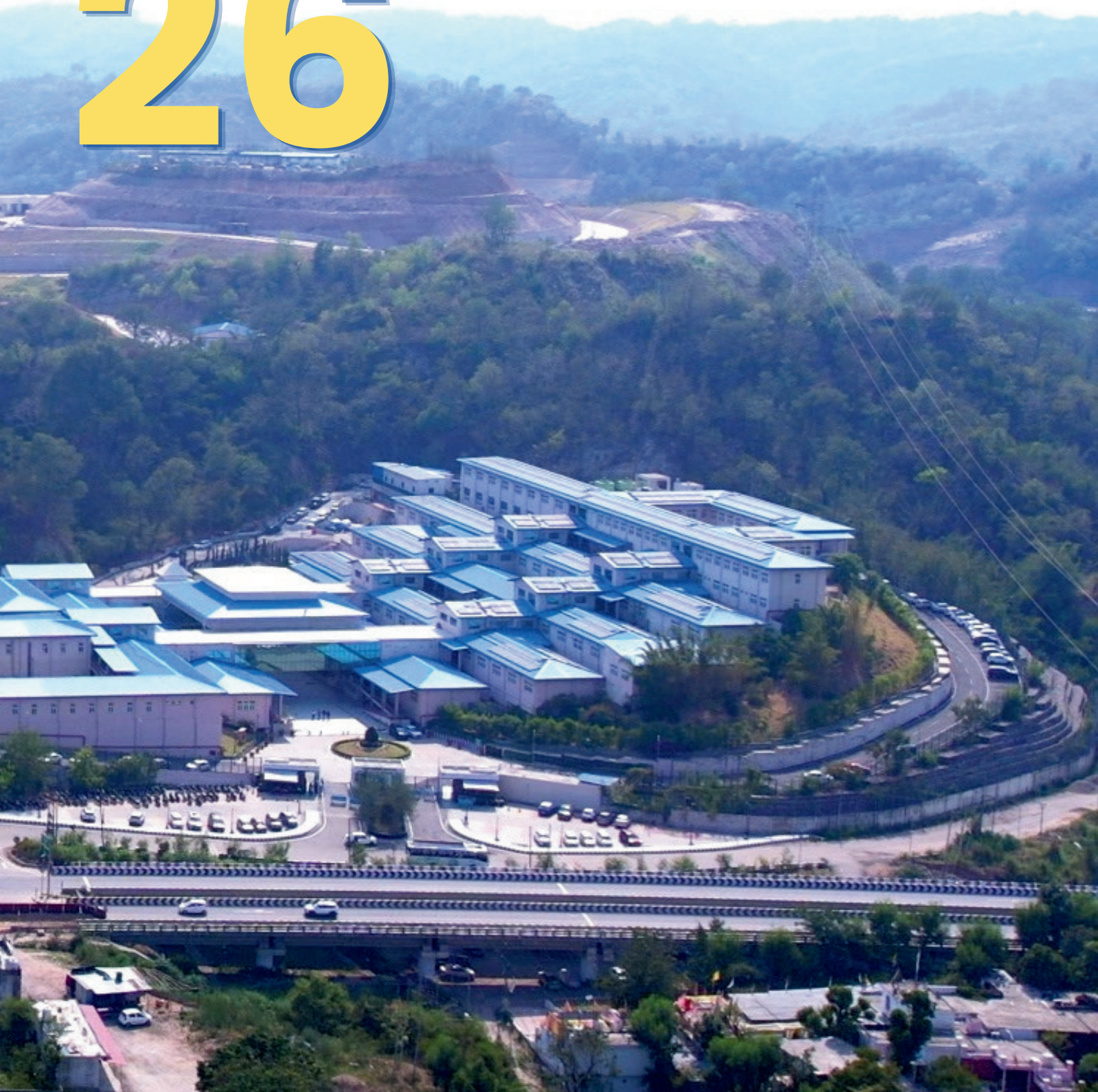
जड़ों से नए क्षितिज तक

एक द्वार जो विरासत को ज्ञान से और ज्ञान को भविष्य से जोड़ता है।

आलमा 20



ਸੈਟਰ 26





विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान जम्मू
INDIAN INSTITUTE OF
TECHNOLOGY JAMMU



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू
जगती, एन.एच.-44, नगरोटा,
जम्मू, 181221, जम्मू और कश्मीर, भारत
www.iitjammu.ac.in